भाकृअनुप-केमाप्रौसं

समाचा पत्र

खंड 11 / संख्या 3
जुलाई – सितंबर 2024

निदेशक के डेस्क से

भाकृअनुप-केमाप्रौसं में पिछली तिमाही सार्थक प्रगति और उद्देश्य-संचालित कार्रवाई के बारे में रही है। हमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मात्स्यिकी उद्भवन केन्द्र के रूप में मान्यता मिलने पर गर्व है, यह एक मील का पत्थर है जो मात्स्यिकी क्षेत्र के विकास और वृद्धि में योगदान करने के हमारे मिशन को बढ़ावा देता है। हमारे व्यावहारिक कार्यशालाएँ, FRP मलबे को कम करने और मत्स्य अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधनों में बदलने पर केंद्रित हैं, यह स्वच्छता अभियान के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती - हमारे तटरेखाओं को सभी के लिए स्वच्छ और स्वस्थ बनाती हैं। हमने समुद्री स्तनधारियों पर भारत का पहला ड्रोन-आधारित अध्ययन भी शुरू किया, जो दिखाता है कि कैसे प्रौद्योगिकी हमारे कीमती समुद्री जीवन की रक्षा करने में एक शक्तिशाली भूमिका निभा सकती है। हम जो भी कदम उठाते हैं, वह मात्स्यिकी क्षेत्र और उस पर निर्भर समुदायों के लिए एक संभाल, जीवंत भविष्य बनाने में निहित है।

अंतर्वस्तु

- अनुसंधान मोर्चे से
- महत्वपूर्ण आगंतुक
- कार्यक्रम
- स्वच्छता कार्य योजना
- आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- आउटरीच/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
- राजभाषा गतिविधियाँ
- विदेश में प्रतिनियुक्ति
- व्यक्तिगत

भाकृअनुप- केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान
सीआईएफटी जंक्शन, मत्स्यपुरी पी.ओ., कोचिन 682029

78वां स्वतंत्रता दिवस; 15 अगस्त 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं कोच्चि स्थित अपने मुख्यालय और वेरावल, विशाखपट्टणम और मुंबई स्थित अनुसंधान केंद्रों में 77वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया।

अनुसंधान मोर्चे से

भारत में समुद्री स्तनधारियों का पहला ड्रोन-आधारित अध्ययन

भाकृअनुप-केमाप्रौसं समुद्री स्तनपायी मात्स्यिकी संपर्क का अध्ययन करने के लिए ड्रोन-आधारित सर्वेक्षण शुरू किया है। यह देश में समुद्री स्तनपायी अनुसंधान के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग करने की पहली पहल है, जो समुद्री स्तनपायी संरक्षण प्रयासों को महत्वपूर्ण बढ़ावा देती है। यह अध्ययन भारत में समुद्री स्तनपायी स्टॉक आकलन (MMSAI) परियोजना के तहत किया गया, यह प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) द्वारा वित्त पोषित है। पारंपरिक सर्वेक्षण विधियों में अक्सर समय, लागत और विशाल समुद्री क्षेत्रों में दुर्लभ समुद्री प्रजातियों की निगरानी में कठिनाइयों से संबंधित बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत, ड्रोन व्यापक आंकडा एकत्र करने के लिए अधिक कुशल, गैर-आक्रामक और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करते हैं।

Drone view of pod of humpback dolphins

सहभागी क्षेत्र परीक्षण के लिए डॉल्फिन पिंगर्स

सहभागी क्षेत्र परीक्षण के लिए डॉल्फिन पिंगर्स को चेल्लनम-कंडाकादव मछुआरा कल्याण विकास सहकारी समिति, एर्नाकुलम, केरल को सौंप गया। यह कार्य *भारत में समुद्री स्तनपायी स्टॉक आकलन पर पीएमएमएसवाई वित्त पोषित परियोजना के तहत किया जा रहा है।*

श्री. वर्गीस ए.एम., सदस्य, चेल्लनम-कंडाकादव मछुआरा कल्याण एवं विकास सहकारी समिति कोच्चि। भाकृअनुप-केमाप्रौसं के मत्स्यन प्रौद्योगिकी के प्रभारी प्रभागाध्यक्ष से डॉल्फिन पिंगर्स प्राप्त करते हुए

महत्वपूर्ण आगंतुक

श्री जॉर्ज कुरियन, माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री आईसीएआर-सीआईएफटी प्रयोगशालाओं का दौरा करते हुए

श्री पी. राजीव, माननीय विधि, उद्योग और कॉयर मंत्री, केरल सरकार

कार्यक्रम

संपोषणीयमात्स्यिकी व्यावहरों को बढ़ावा देने के लिए आइसबॉक्स वितरित किए गए; 12 जुलाई 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं अंत:स्थलीय मात्स्यिकी में जीवन स्तर में सुधार और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) के तहत मछुआरों को आइसबॉक्स वितरित किए। यह कार्यक्रम केरल के एर्नाकुलम में पल्लुरूथी ब्लॉक पंचायत के सहयोग से आयोजित किया गया। कोच्चि के विधायक श्री के. जे. मैक्सी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान ने अध्यक्षता की। श्री बेबी थंबी (अध्यक्ष, पल्लुरूथी ब्लॉक पंचायत), डॉ. ए. सुरेश, डॉ.के. ए. मार्टिन सेवियर (भाकृअनुप-केमाप्रौसं), श्री जेम्सी बिजू (अध्यक्ष, विकास स्थायी समिति), श्री साबू थॉमस (अध्यक्ष, कल्याण स्थायी समिति), श्री श्रीकुमार (अधीक्षक, पल्लुरूथी ब्लॉक पंचायत), और श्री जोबी पनक्कल (उपाध्यक्ष, पल्लुरूथी ब्लॉक पंचायत) ने भाग लिया।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान मछुआरों को आइसबॉक्स वितरित करते हुए

शांतिपूर्ण वित्तीय जीवन के लिए 7 कदम पर संभाषण

भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि के मानव संसाधन विकास सेल ने 18 जुलाई, 2024 को भाकृअनुप-केमाप्रौसं के कर्मचारियों के लिए "शांतिपूर्ण वित्तीय जीवन के लिए 7 कदम" पर एक संभाषण का आयोजन किया। डॉ. जोर्ज नैनान, निदेशक, भाकृअनुप-केमाप्रौसं ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों की बेहतरी के लिए वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया। अतिथि वक्ता श्री निखिल गोपालकृष्णन, सीईओ, पेंटाड सिक्योरिटीज, कोच्चि, ने व्यावहारिक कदमों, आवश्यकता-इच्छा विश्लेषण और पारिवारिक बजट के माध्यम से वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने पर अंतर्दृष्टि प्रदान की

श्री निखिल गोपालकृष्णन, सीईओ-पेंटाड सिक्योरिटीज, कोच्चि का संभाषण

भाकृअनुप-केमाप्रौसं और मर्क ने अभिनव खाद्य सुरक्षा समाधान और रैपिड टेस्ट किट पर सहयोग किया; 23 जुलाई 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं और मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड खाद्य जनित रोगजनकों, खाद्य सुरक्षा मार्गदर्शन दस्तावेजों और एसओपी के लिए परीक्षण किट विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। सहयोग का उद्देश्य संयुक्त वैज्ञानिक परियोजनाएं, माइक्रोबियल पहचान के तरीके विकसित करना और खाद्य सुरक्षा में प्रशिक्षण प्रदान करना भी है। भाकृअनुप-केमाप्रौसं द्वारा आयोजित डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के दौरान भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान और मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड में बायोमॉनिटरिंग की प्रमुख डॉ. वीना पणिक्कर ने समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

दोनों संगठनों की एक दल इस सहयोग पर मिलकर काम करेगा। इसके अतिरिक्त, रैपिड टेस्टिंग किट के विकास के लिए भाकृअनुप-केमाप्रौसं और मर्क के बीच एक गोपनीयता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। भाकृअनुप-केमाप्रौसं भारत का पहला अनुसंधान संस्थान है जिसने मर्क समूह के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं, कोचीन के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान और मर्क लाइफसाइंस प्राइवेट लिमिटेड की बायोमॉनिटरिंग की प्रमुख डॉ. वीना पणिक्कर द्वारा समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।

‘एनएबीएल मान्यता और इसके लाभ’ पर जागरूकता कार्यक्रम; 19 जुलाई 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के वेरावल अनुसंधान केंद्र ‘एनएबीएल मान्यता और इसके लाभ’ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. भूमि राजगुरु, उप निदेशक, एनएबीएल अहमदाबाद विशेषज्ञ के रूप में और सभी वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी और शोध शोध विद्यार्थी, और एमपीईडीए, वेरावल के अधिकारी शामिल हुए।

एलपीजी रेट्रोफिटेड सुजुकी 9.9 एचपी पेट्रोल इंजन का शुभारंभ; 13 अगस्त 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं और मात्स्यिकी विभाग, महाराष्ट्र ने महाराष्ट्र मात्स्यिकी आयुक्त की उपस्थिति में 1 अगस्त 2024 को महाराष्ट्र के कोलाबा के सासोन डॉक पर एलपीजी रेट्रोफिटेड सुजुकी 9.9 एचपी पेट्रोल इंजन का विमोचन किया गया।

कोलाबा के सासोन डॉक पर एलपीजी रेट्रोफिटेड पेट्रोल इंजन का शुभारंभ

पूर्वोत्तर पहाड़ी योजना के तहत असम के मत्स्य निदेशालय कार्यालय में फॉर्मेलिन परीक्षण किट पर कार्यशाला; 21 अगस्त 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं ने 21 अगस्त, 2024 को गुवाहाटी के मात्स्यिकी निदेशालय में मत्स्य में फॉर्मेल्डिहाइड मिलावट पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में असम के विभिन्न जिलों के उप निदेशकों, विपणन अधिकारियों और मत्स्य विकास अधिकारियों सहित 35 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में फॉर्मेल्डिहाइड परीक्षण किटों का निदर्शन शामिल था, जिन्हें असम में क्षेत्रीय निगरानी को मजबूत करने और इस हानिकारक से निपटने के लिए अधिकारियों को वितरित किया गया। भाकृअनुप-केमाप्रौसं के डॉ. ए. ए. सैनुद्दीन और डॉ. मार्टिन सेवियर ने कार्यशाला का संचालन किया।

असम सरकार की अतिरिक्त सचिव डॉ. कलिता गोस्वामी (मध्य में) कार्यशाला का उद्घाटन करती हुई।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं रेशमकीट प्यूपा से कइटिन और कइटोसन के संपोषणीयउत्पादन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए इकोजेनी बायोटेक के साथ साझेदारी की; 29 अगस्त 2024

भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (भाकृअनुप-केमाप्रौसं) रेशमकीट प्यूपा से कइटिन और कइटोसन के संपोषणीयउत्पादन को विकसित करने के लिए बेंगलुरु स्थित इकोजेनी बायोटेक के साथ साझेदारी किया है। 29 अगस्त, 2024 को हस्ताक्षरित एमओए के तहत, भाकृअनुप-केमाप्रौसं उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए रेशमकीट प्यूपा निष्कर्षण के लिए पारंपरिक रूप से क्रस्टेशियन अपशिष्ट के लिए उपयोग की जाने वाली अपनी पारंपरिक रासायनिक प्रक्रिया को संशोधित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान ने इस सहयोग को संपोषणीयकृषि पद्धतियों की दिशा में एक कदम बताया। इस परियोजना का नेतृत्व भाकृअनुप-केमाप्रौसं के वैज्ञानिक डॉ. इलावरसन के., डॉ. जयकुमारी ए. और डॉ. सी.ओ. मोहन करेंगे, जो संपोषणीयप्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच तालमेल को निदर्शित करेंगे।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान और इकोजेनी बायोटेक के प्रतिनिधि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

'एक्वाफूड एक्सीलेंस: पोस्ट-हार्वेस्ट फिशरीज में नवाचार' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2-4 सितंबर 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं और सोसाइटी ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजिस्ट्स (इंडिया) (सॉफ्टी) के बीच एक संयुक्त प्रयास, 'एक्वाफूड एक्सीलेंस: पोस्ट-हार्वेस्ट फिशरीज में नवाचार' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी कोच्चि स्थित भाकृअनुप-केमाप्रौसं में आयोजित की गई। तीन दिवसीय कार्यक्रम में पोस्ट-हार्वेस्ट फिशरीज नवाचारों और जलीय खाद्य विज्ञान को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

केरल के कानून, उद्योग और कॉयर मंत्री श्री पी. राजीव ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया, जिसकी अध्यक्षता भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान ने की। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जी. पवन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

उद्घाटन समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि द्वारा KUFOS के संस्थापक कुलपति प्रो. डॉ. बी. मधुसूदन कुरुप को SOFTI द्विवार्षिक पुरस्कार 2021 प्रदान किया गया। डॉ. बिंदु जे., मत्स्य प्रसंस्करण प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष, और डॉ. निकिता गोपाल, विस्तार सूचना और सांख्यिकी प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष और SOFTI सचिव, संयोजक थे।

लगभग 100 प्रतिनिधियों ने ज्ञान के आदान-प्रदान में भाग लिया, अभिनव समाधानों पर चर्चा की, और संभालता को बढ़ावा देते हुए जलीय उत्पाद मूल्य को बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकी की खोज की।

श्री पी. राजीव, माननीय विधि, उद्योग और कॉयर मंत्री, केरल सरकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए।

6 सितंबर 2024 को एक्वाफूड उत्कृष्टता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ-साथ एक उद्योग बैठक भी आयोजित की गई। निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान उद्योग-अकादमिक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाले, जिसके बाद डॉ. सी.ओ. मोहन ने संस्थान की कृषि व्यवसाय उद्भवन केंद्र प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ताओं में डॉ. के. मोहम्मद कोया (मात्स्यिकी विकास आयुक्त), श्री अनिल कुमार पी. (एमपीईडीए संयुक्त निदेशक), और श्री आर. यथा मूर्ति (निर्यात निरीक्षण एजेंसी) शामिल थे। श्री फ़राज़ जावेद (अबाद फ़ूड्स के सीईओ), श्री राजेश के. (लिशियस), और सुश्री स्मिता एस. (आरएफ एक्सपोर्ट्स) ने उद्योग के दृष्टिकोण साझा किए, जिसमें बाज़ार के रुझान, संभालता और मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य अवसरों को शामिल किया गया। यह कार्यक्रम पश्च प्रग्रहण मात्स्यिकी नवाचार और उद्योग चुनौतियों पर हितधारकों के बीच संवाद को सुगम बनाया।

बाएं से दाएं: श्री आर. यथाव मूर्ति, डॉ. सी.ओ. मोहन, डॉ. जोर्ज नैनान

बाएं से दाएं: श्री फ़राज़ जावेद, श्री शाजी मैथ्यू, श्री राजेश के., सुश्री स्मिता एस., श्री अनिल कुमार पी.

भाकृअनुप-केमाप्रौसं चेल्लनम-कंदक्कदावु में मछुआरों को मत्स्यन के इनपुट सौंपे; 4 सितंबर 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं चेल्लनम-कंदक्कदाव मछुआरा कल्याण एवं विकास सहकारी समिति के सहयोग से चेल्लनम क्षेत्र के अनुसूचित जाति (एससी) के मछुआरों को सहायता देने के लिए आवश्यक मत्स्यन के इनपुट वितरित किए। प्रदान की गई वस्तुओं में एक ओबी इंजन के साथ 11 मीटर का एफआरपी रिंग सीनर, जाल सामग्री और सहायक उपकरण, साथ ही सुरक्षा उपकरण शामिल थे। यह वितरण 4 सितंबर 2024 को अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) योजना के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एर्नाकुलम के माननीय सांसद श्री हिबी ईडन ने किया।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. एम.पी. रमेशन, प्रमुख, मत्स्य प्रौद्योगिकी प्रभाग, जोर्ज नैनान, डॉ. निकिता गोपाल, प्रमुख, ईआईएस प्रभाग, डॉ. मंजू लक्ष्मी.एन, वरिष्ठ वैज्ञानिक भाकृअनुप-केमाप्रौसं, श्री पी.वी. विल्सन, चेल्लनम-कंदक्कदवु मछुआरा कल्याण विकास सहकारी समिति के अध्यक्ष, श्री वी.एस. पोडियान, केरल राज्य मत्स्य थोषिलाली महासंघ (केएसएमटीएफ) के सचिव, श्री टी.वी. शिजी थायिल, केएसएमटीएफ के जिला अध्यक्ष, श्रीमती शिमला जोसी, चेल्लनम की वार्ड सदस्य, श्रीमती ओमाना बेरली, चेल्लनम-कंदक्कदवु मछुआरा कल्याण विकास सहकारी समिति की पूर्व सचिव, श्री के.आर. विंसेंट और श्री ए.एक्स. जोसेफ, कंडक्कडवु मात्स्यिकी सोसायटी और चेल्लनम-कंडक्कडवु मछुआरा कल्याण विकास सहकारी सोसायटी के बोर्ड सदस्य, और सोसायटी की सचिव श्रीमती शाइनी पीटर ने भी बात की।

एर्नाकुलम के माननीय सांसद श्री हिबी ईडन ने केमाप्रौसं के वैज्ञानिकों और चेल्लनम-कंदक्कदव मछुआरा कल्याण विकास सहकारी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में आवश्यक मत्स्यन सामग्री के वितरण का उद्घाटन किया।

मत्स्यन में प्रौद्योगिकियां उन्नति, समुद्र में सुरक्षा और समुद्री प्लास्टिक शमन उपायों पर जागरूकता कार्यक्रम; 5 सितंबर 2024

एससीएसपी के तहत मछुआरों के लिए 5 सितंबर, 2024 को चेल्लनम-कंदक्कदावु, मात्स्यिकी सोसायटी, दक्षिण चेल्लनम, कोच्चि में प्रौद्योगिकियां उन्नति, समुद्र में सुरक्षा और समुद्री प्लास्टिक शमन उपायों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संवादात्मक सत्र में सहभागियों ने समुद्र में जाने के अपने अनुभवों, समुद्री सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न चिंताओं, कुछ आवश्यक जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समुद्र से प्लास्टिक के कचरे को कम करने के लिए समुद्री कूड़ा संग्रह बूथ जैसी पहलों से जुड़ने की अपनी इच्छा के बारे में बताया। कार्यक्रम में 10 अनुसूचित जाति के मछुआरे शामिल हुए।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करते मछुआरे

भाकृअनुप-केमाप्रौसं को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत मात्स्यिकी उद्भवन केंद्र के रूप में मान्यता दी गई; 11 सितंबर 2024

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (भाकृअनुप-केमाप्रौसं), कोच्चि को भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत आधिकारिक तौर पर मात्स्यिकी उद्भवन केंद्र (एफआईसी) के रूप में नामित किया गया है। इसकी घोषणा 11 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित पीएमएमएसवाई के चौथे वर्षगांठ समारोह के दौरान की गई। श्री राजीव रंजन सिंह, माननीय राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, और पंचायती राज मंत्रालय, समारोह के मुख्य अतिथि थे। और यह मान्यता मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसका उद्देश्य संपोषणीय वृद्धि और विकास को बढ़ावा देना है, जो अंततः भारत की नीली क्रांति में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

नई दिल्ली में पीएमएमएसवाई के चौथे वर्षगांठ समारोह का उद्घाटन

स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत कार्यक्रम

17 सितंबर, 2024 को मुंबई और विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्रों में "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण

21 सितंबर 2024 को जालारी एंडाडा, एमवीपी बीच विशाखपट्टणम में अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस पर समुद्र तट सफाई कार्यक्रम

23 सितंबर 2024 को सागर विहार, वाशी तट पर अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस पर सफाई गतिविधि

24 सितंबर 2024 को सागर नगर बीच, विशाखपट्टणम केंद्र पर समुद्र तट सफाई कार्यक्रम

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने SAP के तहत कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाई; 26 सितंबर 2024

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने परित्यक्त FRP मत्स्यन यानों से अपसाइकल किए गए उत्पादों को जारी किया, और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए केमाप्रौसं बायोबूस्ट और माइक्रोबूस्ट - जीवाणु संघ और खाद का शुभारंभ किया। यह प्रौद्योगिकी को पोन्नुरुन्नी वार्ड पार्षद श्री दीपिन दिलीप को हस्तांतरित और हितधारकों को संघ का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। मंत्री महोदय मत्स्य अपशिष्ट रूपांतरण मशीनरी (जलीय चारा और खाद उत्पादन के लिए) के लिए तीन हितधारक समूहों को समझौता ज्ञापन भी सौंपे, भाकृअनुप-केमाप्रौसं प्रकाशनों का विमोचन किया और स्वच्छता कार्य योजना के भाग के रूप में स्वच्छता नेताओं को सम्मानित किया।

श्री जॉर्ज कुरियन, माननीय केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री भारतीदासन फ्रेशवाटर फिश फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (BFFFPCL), बहौर, पुडुचेरी के प्रतिनिधियों को समझौता ज्ञापन सौंपते हुए

माननीय मंत्री ने परित्यक्त मछली पकड़ने वाली नावों से प्राप्त फाइबर प्रबलित प्लास्टिक (एफआरपी) से विकसित अपसाइकल उत्पाद 'बोट पॉट' का विमोचन किया

माननीय मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने उद्योग के भीतर अपशिष्ट प्रबंधन समाधान को बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा विकसित बैक्टीरियल कंसोर्टियम और खाद सिफ्ट बायोबूस्ट और माइक्रोबूस्ट को श्री दीपिन दिलीप, वार्ड पार्षद, पोन्नुरुन्नी, एर्नाकुलम को सौंपा।

श्रीमती शीबा टी.के. स्वच्छता नेताओं के सम्मान के एक भाग के रूप में भाकृअनुप-केमाप्रौसं सफाई कर्मचारियों की ओर से माननीय मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए

डॉ. वी. गीतालक्ष्मी माननीय मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन द्वारा प्रकाशनों का विमोचन; भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान और स्वच्छता कार्य योजना की नोडल अधिकारी भी मौजूद है

माननीय मंत्री श्रीमती पद्माकुमारी टी., पार्षद, आइलैंड नॉर्थ, एर्णाकुलम का सम्मान करते हुए।

स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत "घरेलू कचरे से खाद बनाने" पर कार्यशाला; 26 सितंबर 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं में एक संशोधित 50 किलोग्राम क्षमता वाला स्वचालित खाद बनाने वाला यंत्र स्थापित किया गया, जिसे संवर्धित माइक्रोबियल संघ के साथ खाद्य और मछली दोनों प्रकार के कचरे को संभालने के लिए अनुकूलित किया गया है।

एसएपी के अंतर्गत 26 सितंबर, 2024 को माइक्रोबियल खाद बनाने पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें हील पोन्नुरुनी सोसाइटी, भारतीदासन मछली किसान उत्पादक संगठन (पुडुचेरी) और ओक्कल स्टेट सीड फार्म के 25 प्रतिभागियों को घरेलू कचरे की छंटाई और खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दौरान अनुकूलित स्वचालित खाद बनाने वाले यंत्र का निदर्शन किया गया।

भाकृअनुप-केमाप्रौसं की वैज्ञानिक श्रीमती मुथुलक्ष्मी टी ने माइक्रोबियल कम्पोस्टिंग पर कार्यशाला में एक सत्र का नेतृत्व किया

तटीय पर्यावरण में एफआरपी मलबे के प्रबंधन के लिए रणनीतियों पर कार्यशाला; 30 सितंबर 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं, कोच्चि अपनी स्वच्छता कार्य योजना के तहत "तटीय पर्यावरण से एफआरपी मलबे के प्रबंधन के लिए रणनीतियों" पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में तटीय क्षेत्रों के साथ फाइबर प्रबलित प्लास्टिक (एफआरपी) नौकाओं के निपटान और परित्याग पर चिंताओं को संबोधित किया गया, जिसमें हार्बर इंजीनियरिंग डिवीजन, केरल मात्स्यिकी विभाग, भाकृअनुप संस्थान, मछुआरा सहकारी समितियां, केंद्रीय पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी), उद्योग हितधारक और गैर सरकारी संगठन सहित विभिन्न क्षेत्रों के 60 प्रतिनिधि शामिल हुए। भाकृअनुप-केमाप्रौसं के निदेशक डॉ. जोर्ज नैनान की अध्यक्षता में, कार्यशाला में एफआरपी मलबे के प्रबंधन में सीआईएफटी के हस्तक्षेप पर डॉ. मंजू लक्ष्मी एन. द्वारा एक प्रस्तुति दी गई। ब्रेकआउट सत्रों का नेतृत्व विसूसां प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष डॉ. निकिता गोपाल ने किया।

डॉ. जोर्ज नैनान वार्षिक कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

कार्यशाला का तकनीकी सत्र

भाकृअनुप-केमाप्रौसंके मुंबई अनुसंधान केंद्र में 'अपशिष्ट से संपदा' पर कार्यशाला; 30 सितंबर 2024

मुंबई अनुसंधान केंद्र, भाकृअनुप-केमाप्रौसंस्वच्छता कार्य योजना के तहत नवी मुंबई के वाशी में समुद्री कूड़े के टुकड़े करने और पुनर्चक्रण पर 'अपशिष्ट से संपदा' कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. के.के. आशा और डॉ. श्रवण कुमार शर्मा द्वारा समन्वित, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसएएसएमआईआरए वैज्ञानिक सी श्री प्रमोद सालुंखे थे, कार्यशाला में समुद्री मलबे के प्रबंधन पर व्यापक प्रस्तुतियाँ दी गईं। प्रमुख वक्ताओं में महाराष्ट्र के तटीय मलबे के प्रभावों पर श्री शर्मा, तकनीकी वस्त्रों के लिए समुद्री प्लास्टिक पुनर्चक्रण पर श्री सालुंके, कूड़ा-मुक्त बंदरगाह पहल पर मत्स्य विभाग से सुश्री मोनिका साबले, एएलडीएफजी ट्रैकिंग मोबाइल ऐप पर सुश्री शारू मून, तटीय मलबे के आकलन पर सुश्री पणिकर, सामुदायिक जागरूकता पर सहकार भारती एनजीओ से सुश्री रश्मि सकपाल और मीथेन-संचालित मत्स्यन जहाजों पर एंडॉवर्स सॉल्यूशंस से श्री उत्तम पाठक शामिल थे।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम.सं.	प्रशिक्षण का नाम	लाभार्थियों की संख्या	स्थान	दिनांक
नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम				
मुख्यालय				
1	मत्स्य बाजार के कचरे से चारा और खाद तैयार करना	7	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	10 जुलाई, 2024
2	पानी के नमूनों का माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण और IS 15185-2016 की आवश्यकता के अनुसार दस्तावेज़ीकरण	17	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	17-19 जुलाई, 2024
3	डीएसटी-एसईआरबी, नई दिल्ली की त्वरित विज्ञान योजना के तहत 'मत्स्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन में व्यावसायिक अवसर' पर उच्च स्तरीय कार्यशाला (कार्यशाला)	24	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	01 जुलाई-02 अगस्त, 2024
4	चयनित चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण एएमआर रोगजनकों के विरुद्ध सक्रिय लिटिक बैक्टीरियोफेज का पृथक्करण और लक्षण वर्णन	2	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	05-09 अगस्त, 2024
5	एचएसीसीपी अवधारणाएँ	3	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	05-09 अगस्त,2024
6	मत्स्य का पूर्व प्रसंस्करण और शुष्कन	3	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	22-23 अगस्त, 2024
7	एमआरएसए के विरुद्ध लिटिक बैक्टीरियोफेज के पृथक्करण और लक्षण-निर्धारण के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान और आणविक जीव विज्ञान तकनीक	1	भाकृअनुप-केमाप्रोसं, कोचिन	27 मई-27 अगस्त, 2024

8	खाद्य प्रयोगशालाओं के लिए आईएसओ मानकों के अनुसार सूक्ष्मजीववैज्ञानिक परीक्षण	1	भा कृ अ नु प - के मा प्रो सं, कोचिन	02-06 सितंबर, 2024
9	आसाम कृषि विश्वविद्यालय के राहा स्थित मात्स्यिकी महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के बी.एफ.एस.सी. छात्रों के लिए स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के अंतर्गत इनप्लांट प्रशिक्षण	29	भा कृ अ नु प - के मा प्रो सं, कोचिन	06 अगस्त – 27 सितंबर, 2024
विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र				
10	गंदगी विश्लेषण	5	विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र	12 जुलाई, 2024
11	मत्स्य का अचार, शुष्क झींगे का अचार और मूल्यवर्धित उत्पादों की तैयारी	10	विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र	06-08 अगस्त, 2024
मुंबई अनुसंधान केंद्र				
12	मत्स्य अपशिष्ट उपयोग के लिए अभिनव समाधान मुंबई अनुसंधान केंद्र, भाकृअनुप-केमाप्रौसंऔर एनसीडीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित	25	मुंबई अनुसंधान केंद्र	22 जुलाई, 2024
वेरावल अनुसंधान केंद्र				
13	मात्स्यिकी विज्ञान महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, इटावा, उत्तर प्रदेश के बी.एफ.एस.सी. अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इन-प्लांट प्रशिक्षण कार्यक्रम	7	वेरावल अनुसंधान केंद्र	12 अगस्त से 12 अक्टूबर, 2024
14	मात्स्यिकी महाविद्यालय (आरपीसीएयू), ढोली, बिहार बी.एफ.एस.सी. अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इन-प्लांट प्रशिक्षण कार्यक्रम	37	वेरावल अनुसंधान केंद्र	21 अगस्त से 20 सितंबर, 2024

विशेष योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम (डीएपीएससी, डीएपीएसटी, एनईआर)

डीएपीएससी

क्रम. सं	प्रशिक्षण का नाम	लाभार्थियों की संख्या	स्थान	सहयोग	दिनांक
1	एचएसीसीपी अवधारणाएँ	24	भा कृ अ नु प - केमाप्रोसं, कोचिन		05-09 अगस्त, 2024
2	खाद्य प्रयोगशालाओं के लिए आईएसओ मानकों के अनुसार माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण	20	भा कृ अ नु प - केमाप्रोसं, कोचिन		02-06 सितंबर, 2024
3	मूल्य वर्धित मत्स्य उत्पाद	20	वेरावल अनुसंधान केंद्र		22-26 जुलाई, 2024
4	मूल्य वर्धित मत्स्य उत्पाद	30	वेरावल अनुसंधान केंद्र	के वी के, अं बु जा न ग र, कोडिनार	13-17 अगस्त, 2024

डीएपीएससी					
5	नैनो प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: अनुप्रयोग और भविष्य की संभावनाएँ।	10	भा कृ अ नु प - केमाप्रोसं, कोचिन		02-06 सितंबर, 2024
6	खाद्य प्रयोगशालाओं के लिए आईएसओ मानकों के अनुसार माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण	4	भा कृ अ नु प - केमाप्रोसं, कोचिन		02-06 सितंबर, 2024
एनईआर					
7	नैनो प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: अनुप्रयोग और भविष्य की संभावनाएँ।	40	आ ई सी ए आ र - आ ई ए आ र आ ई, असम	आ ई सी ए आ र - आ ई ए आ र आ ई, असम	19-20 अगस्त, 2024
8	खाद्य प्रयोगशालाओं के लिए आईएसओ मानकों के अनुसार माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण		डांगरडी गांव, नलबाड़ी असम	मिंडोरा फाउंडेशन असम	22-24 अगस्त, 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसंके विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक और कर्मचारियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहभागी

भाकृअनुप-केमाप्रौसंके वैज्ञानिक और कर्मचारियों के साथ केरल जल प्राधिकरण के प्रशिक्षु

भाकृअनुप-केमाप्रौसंके वेरावल अनुसंधान केंद्र के एसआईसी डॉ. आशीष कुमार झा और केवीके, कोडिनार के प्रमुख इंजीनियर जितेंद्र सिंह मूल्यवर्धित मत्स्य उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को इनपुट वितरित करते हुए

भाकृअनुप-केमाप्रौसंके मुंबई अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक और कर्मचारियों के साथ 'मत्स्य अपशिष्ट उपयोग के लिए अभिनव समाधान' प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

आउटरीच/ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

भाग ली गई प्रदर्शनियां

क्रमांक	प्रदर्शनी का नाम	आयोजक	दिनांक
1	मात्स्यिकी ग्रीष्मकालीन मीट 2024, आईडीए स्कडर ट्रेड सेंटर, मदुरै, तमिलनाडु	मात्स्यिकी विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली	10 जुलाई, 2024

2	भाकृअनुप स्थापना दिवस भाकृअनुप, नई दिल्ली	भाकृअनुप	16-17 जुलाई, 2024
3	पर्यावरण इंजीनियर, कोच्चि का 38वां राष्ट्रीय सम्मेलन	इंजीनियरिंग संस्थान, कोच्चि	23-24 अगस्त, 2024
4	समुद्री विज्ञान एक्सपो	समुद्री परिसर, सीयूएसएटी	31 अगस्त, 2024
5	ओक्कल फार्म उत्सव 2024, ओक्कल	जिला पंचायत, एर्नाकुलम	25-27 सितंबर, 2024
6	राज्य स्तरीय कृषि प्रदर्शनी, वेल्लियांकल्लू, त्रिथला	कुदुम्बश्री केरल मिशन	12-14 सितंबर, 2024
7	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	विश्व खाद्य एक्सपो 2024, प्रगति मैदान, नई दिल्ली	19-22 सितंबर, 2024

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन और उप महानिदेशक (मात्स्यिकी) डॉ. जे.के. जेना के साथ 12 जुलाई 2024 को मदुरै ट्रेड सेंटर में आयोजित केमाप्रोसं मात्स्यिकी ग्रीष्मकालीन सम्मेलन 2024 के दौरान भाकृअनुप-केमाप्रौसंस्टॉल का दौरा किया।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण/पेशेवर सेवा कार्य

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण/पेशेवर सेवा कार्य	एमओए की तिथि	ग्राहक	वैज्ञानिक टीम
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण: शुष्क मत्स्य प्रसंस्करण	2 जुलाई 2024	वायलर सीफूड एर्नाकुलम, केरल	डॉ. मुरली एस. डॉ. अनीसरानी डेलिफ़िया डी.एस. डॉ. नीथू के.सी. डॉ. पार्वती यू.
रेशमकीट प्यूपा से कइटिन और कइटोसन	29 अगस्त 2024	इकोजेनी बायोटेक बेंगलुरु, कर्नाटक	डॉ. इलावरसन के. डॉ. जयकुमारी ए. डॉ. सी.ओ. मोहन
परामर्श: तटीय समुदायों का आजीविका विकास 'मूल्य श्रृंखला हस्तक्षेप के माध्यम से मात्स्यिकी मूल्य वर्धित उत्पाद'	4 जुलाई 2024	ईसीआरआईसीसी परियोजना	डॉ.मधुसूदन राव डॉ.निकिता गोपाल डॉ. बिंदु जे. डॉ. सजीव एम.वी. डॉ. सी.ओ. मोहन डॉ. विजी पी .डॉ. रेम्या एस. डॉ. जेसमी देबबर्मा डॉ. पार्वती यू. डॉ. श्रीलक्ष्मी के.आर. डॉ.सतीश कुमार के.

			डॉ. चन्द्रशेखर वी. डॉ. मार्टिन जेवियर के.ए. डॉ. पंकज किशोर डॉ. मुरली एस. डॉ. अनीसरानी डेल्फ़िया डॉ. नीथू के.सी.
परामर्श: एनएबीएल प्रत्यायित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला डॉ.	1 अगस्त 2024	भाकृअनुप-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान (आईसीएआर - सीआईडब्ल्यूए)	मुहम्मद अशरफ पी. डॉ. लैली एस.जे. श्रीमती श्यामा पी.के.
परामर्श: प्रयोगशालाओं के लिए एनएबीएल मान्यता	1 सितंबर 2024	आईसीएआर - सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर (आईसीएआर-सीआईएफए)	डॉ. टॉम्स सी. जोसेफ डॉ नीलाद्रि शेखर चटर्जी श्रीमती पी.के. श्यामा श्री. नोबी वर्गीस
प्रायोजित अनुबंध अनुसंधान: फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान के आकलन के लिए सहायता	2 जुलाई 2024	राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद	डॉ. निकिता गोपाल डॉ. वी. गीतालक्ष्मी डॉ. पे जेय्या जयंती डॉ. के. रेजुला
सहयोगी अनुसंधान: खाद्य जनित रोगजनकों के निर्धारण के लिए परीक्षण किट विकसित करना और खाद्य सुरक्षा मार्गदर्शन विकसित करना	23 जुलाई 2024	मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. ज़िनुद्दीन ए.ए. डॉ. पंकज किशोर डॉ. नीलाद्रि शेखर चटर्जी डॉ. रंजीत कुमार नडेला श्री बाबू पी.एस. श्री अजित चेल्लापन श्री पद्मराज पी.डी. श्रीमती बिंदु जोसेफ
सहयोगी अनुसंधान : जीवाणुरोधी फोटोडायनामिक उपचार के लिए IoT-आधारित एलईडी लाइट चैंबर प्रणाली	29 अगस्त 2024	नेक्स्टलर इनोवेशन प्राइवेटा लिमिटेड	डॉ. टॉम्स सी. जोसेफ सुश्री मेघा सी. श्री स्टैफन एलेक्स ए. डॉ. अनुपमा टी.के. डॉ. रम्या एस.
सहयोगात्मक अनुसंधान: मात्स्यिकी अनुसंधान एवं विकास	6 सितंबर 2024	गांधी प्रौद्योगिकी और प्रबंध संस्थान (जीआईटीएएम)	डॉ.यू. श्रीधर डॉ. आर. रघु प्रकाश, डॉ. बी. मधुसूदन राव डॉ. विजी पी. डॉ. जेसमी देबबर्मा डॉ. जी. कामेई डॉ. अहमद बाशा
सहयोगात्मक अनुसंधान: मत्स्य चारा, पौधों की वृद्धि बढ़ाने वाला और मछली के कचरे से स्वयं पचने वाली खाद	26 सितंबर 2024	भारतीदास मीठे पानी की मछली किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड (बीएफएफएफपीसीएल)	डॉ. बिन्सी पी.के. डॉ. ज़िनुदीन ए.ए. डॉ. जयकुमारी ए. डॉ. इलावरसन के. डॉ. चंद्रशेखर वी. डॉ. गीतालक्ष्मी वी.

अनुबंध सेवा: कोल्ड स्टोरेज सुविधा का निरीक्षण	24 अगस्त 2024	केरल राज्य भंडारण निगम (केएसडब्ल्यूसी)	डॉ. मुरली एस. श्री सिद्धिक वी.के. श्री साजू टी.पी.
अनुबंध सेवा: 3 मत्स्य रोगों के लिए पीसीआर किट की आपूर्ति1) केएचवी 2) एसवीसी 3) ईयूएस		जलीय कृषि विकास एजेंसी (ADAK)	
अनुबंध सेवा: जीनोम लैब का ऑडिटिंग	24 सितंबर	केरल पशुधन विकास बोर्ड (केएलडीबी), तिरुवनंतपुरम	डॉ. टॉम्स सी. जोसेफ डॉ. मुरुगादास वी. श्रीमती पी.के. श्यामा
इन्क्यूबेशन: उत्पाद विकास सहायता	23 जुलाई 2024	वीजीओ न्यूट्रो एलएलपी, कोल्लम, केरल	डॉ. सी.ओ. मोहन डॉ. पार्वती यू. डॉ. सारिका के.

MoA for ECRICC Project, Forest, Environment & Climate Change Department, Govt. of Odisha

MoA exchange between ICAR-CIFT and Ecogenie Biotech, Bangalore, Karnataka

राजभाषा गतिविधियाँ

हिंदी पखवाड़ा 2024 मनाया गया; 14 -30 सितंबर 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं 14-30 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया, जिसका समापन 30 सितंबर, 2024 को समापन समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. जेसी जोसेफ सी. ने सरकारी कामकाज में हिंदी के महत्व पर जोर दिया। 19-27 सितंबर के बीच आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार मिले, जबकि तीन कर्मचारियों को हिंदी प्रोत्साहन योजना के तहत प्रमाण पत्र दिए गए। गुणता आश्वासन प्रबंधन प्रभाग ने सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग 2024 की ट्रॉफी जीती। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल थे।

डॉ. जेसी जोसेफ सी का संबोधन। डॉ. जोर्ज नैनान, निदेशक और श्री महेश बी. खुबडीकर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को भी देख सकते है।

हिंदी सप्ताह समारोह 2024, मुंबई अनुसंधान केंद्र, भाकृअनुप-केमाप्रौसं; 16- 24 सितंबर 2024

'हिंदी सप्ताह समारोह 2024' के उपलक्ष्य में मुंबई अनुसंधान केंद्र, भाकृअनुप-केमाप्रौसं द्वारा 16 से 24 सितंबर 2024 तक हिंदी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी कर्मचारियों ने सभी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और पुरस्कार जीते। श्री अविनाश अगवाने, सेवानिवृत्त सप्रअ, मुंबई अनुसंधान केंद्र, भाकृअनुप-केमाप्रौसं, मुंबई समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2024, भाकृअनुप-केमाप्रौसं का विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र; 17-30 सितंबर 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र में 17-30 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा समारोह 2024 का आयोजन किया गया। डॉ. डी. भामी रेड्डी, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), एफएसआई विशाखपट्टणम बेस ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। हिंदी को राजभाषा के रूप में बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए श्रुतलेख, भाषण, निबंध लेखन, पहचान, स्मृति परीक्षण, कविता, नाटक और हिंदी वीडियोग्राफी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. वीवीएसएस सरमा, मुख्य वैज्ञानिक और प्रभारी वैज्ञानिक, आरसी एनआईओ, विशाखपट्टणम ने भाग लिया, जिन्होंने नाटक प्रतियोगिता के बाद पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए।

हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित; 7 अगस्त 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र 7 अगस्त, 2024 को भाकृअनुप-केसमाअनुसं के सम्मेलन कक्ष में 'हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया। यह आयोजन डॉ. यू. श्रीधर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक, श्री. भुनेश्वर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी और श्री. लिंगा राजू, वाईपी-आई (हिंदी अनुवादक) द्वारा किया गया। इसमें सीएमएफआरआई, एफएसआई, सिफनेट, जीएसआई, आरआईएनएल, एनएसटीएल और केंद्रीय विद्यालयों सहित 23 संस्थानों के 39 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

डॉ. यू. श्रीधर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ

संस्थान के सात नवनियुक्त तकनीकी कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला; 22 अगस्त 2024

भाकृअनुप-केमाप्रौसं के राजभाषा अनुभाग द्वारा 22 अगस्त, 2024 को सात नए तकनीकी कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. पी. शंकर ने सत्र का नेतृत्व किया। कार्यशाला में राजभाषा नियम, अधिनियम, संकल्प और भारत के विभिन्न भाषा क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग पर चर्चा की गई। दो नामित तकनीकी अधिकारियों और पांच कर्मचारियों ने भाग लिया।.

हिंदी तकनीकी कार्यशाला ; 25 सितंबर 2024

मुंबई अनुसंधान केंद्र, भाकृअनुप-केमाप्रौसं 25 सितंबर 2024 को हिंदी तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. अभय कुमार, वैज्ञानिक ने केंद्र के कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का संचालन किया।

विदेश में प्रतिनियुक्ति

डॉ. निकिता गोपाल, प्रधान वैज्ञानिक और प्रभागाध्यक्ष, विस्तार, सूचना और सांख्यिकी प्रभाग, भाकृअनुप-केमाप्रौसं ने हाल ही में 11-24 जुलाई, 2024 को मलेशिया में आयोजित 21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय मत्स्य अर्थशास्त्र एवं व्यापार संस्थान (आईआईएफईटी) सम्मेलन और आईडीआरसी एक्वाडैप्ट पीयर लर्निंग कार्यशाला में भाग लिया।

आईआईएफईटी सम्मेलन में, जिसका विषय "नीली अर्थव्यवस्था में जलीय खाद्य प्रणालियाँ" था, डॉ. निकिता गोपाल ने समावेशी और लचीली जलीय खाद्य प्रणालियों के लिए मात्स्यिकी और जलीय कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान में लिंग पर एक मुख्य भाषण प्रदान किया। सम्मेलन में दुनिया भर से 500 से अधिक प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जिससे उन्हें प्रमुख मात्स्यिकी अर्थशास्त्रियों और सामाजिक वैज्ञानिकों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। डॉ. निकिता गोपाल ने पुनर्योजी जलीय कृषि पर एक चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भी भाग लिया और शुष्क मत्स्य की आर्थिक दुनिया पर एक सत्र का संचालन किया।

सम्मेलन के बाद, डॉ. निकिता गोपाल ने आईडीआरसी एक्वाडेप्ट कार्यशाला में भाग लिया, जिसमें प्रकृति आधारित जलीय कृषि, जलवायु अनुकूलन और लैंगिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. निकिता गोपाल केमाप्रोसं 2024 में मुख्य भाषण देती हुई

डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, भाकृअनुप; डॉ. जे.के. जेना, उ म नि (मात्स्यिकी विज्ञान), भाकृअनुप, डॉ. निकिता गोपाल (दाएं से 5वें) और डॉ. तेजपाल सी.एस. (दाएं से 6वें) सहित भारतीय प्रतिनिधियों के साथ

डॉ. तेजपाल सी.एस., 15-19 जुलाई 2024 के दौरान मलेशिया के पेनांग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मात्स्यिकी आर्थिक और व्यापार संस्थान (IIFET)-2024 सम्मेलन में और विंडो 3 के तहत भाकृअनुप-वर्ल्डफिश सहयोगी परियोजना पर चर्चा बैठक में भी भाग लिया हैं।

व्यक्तिगत

नियुक्ति

- श्री गोकुल कृष्णन पी., सीधी भर्ती के तहत 02.09.2024 को पूर्वाह्न में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और उन्हें क्रय अनुभाग में तैनात किया गया है।
- श्री सचिन कुमार सीधी भर्ती के तहत 17.09.2024 को पूर्वाह्न में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और उनका मुख्यालय केमाप्रोसं के मुंबई अनुसंधान केन्द्र में है।
- सुश्री नम्रता सीधी भर्ती के तहत 23.09.2024 को पूर्वाह्न में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण की और उन्हें समन्वय अनुभाग में तैनात किया गया है।
- सुश्री खुशबू सीधी भर्ती के तहत 24.09.2024 को पूर्वाह्न में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण की और उन्हें बिल अनुभाग में तैनात किया गया है।

पदोन्नति

- श्री राधाकृष्णन नायर वी., सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, लेवल-13ए में 25.11.2017 से पदोन्नत, पदनाम वैज्ञानिक के रूप में बना रहेगा।
- डॉ. नेनावथ राजेंद्र नाइक, वैज्ञानिक, 02.01.2020 से वैज्ञानिक लेवल-11 में पदोन्नत।
- श्री श्रवण कुमार शर्मा, वैज्ञानिक, 01.01.2023 से वैज्ञानिक लेवल-11 में पदोन्नत।

- डॉ. श्रीप्रिया प्रकाशन, वैज्ञानिक, 12.01.2023 से वैज्ञानिक लेवल-11 में पदोन्नत।
- श्रीमती अखिला एन.आर., सहायक को 02.09.2024 से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया और वह स्टोर अनुभाग में तैनात हैं।
- श्री के.सी. अनीश कुमार, तकनीकी सहायक (टी-3) को 30.12.2023 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4) के रूप में पदोन्नत किया गया
- श्री तुलसीराम ए. वाघमारे, तकनीकी सहायक (टी-3) को 21.02.2024 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4) के रूप में पदोन्नत किया गया

स्थानांतरण

- डॉ. ग्रीष्मा एस. एस., वैज्ञानिक को भाकृअनुप-केमाप्रौसं के मुंबई अनुसंधान केन्द्र से स्थानांतरित किया गया और 10.09.2024 को भाकृअनुप-केमाप्रौसंकोचिन में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री श्रीजीत एस., वैज्ञानिक को भाकृअनुप-केमाप्रौसं के वेरावल अनुसंधान केन्द्र से स्थानांतरित किया गया और 10.09.2024 को भाकृअनुप-केमाप्रौसंकोचिन में कार्यभार ग्रहण किया।
- डॉ. सारिका के., वैज्ञानिक को भाकृअनुप-केमाप्रौसंके वेरावल अनुसंधान केन्द्र से स्थानांतरित किया गया और 10.09.2024 को भाकृअनुप-केमाप्रौसंकोचिन में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्रीमती सोभा के. एस., सहायक को भाकृअनुप-केमाप्रौसं से 19.08.2024 को कार्यमुक्त कर दिया गया है ताकि वे भाकृअनुप मुख्यालय नई दिल्ली में स वि एवं ले अ के रूप में कार्यभार ग्रहण कर सकें।
- श्री रिजवान पी.एम., अ श्रे लि को 19.08.2024 को भाकृअनुप-केमाप्रौसं से कार्यमुक्त कर दिया गया है ताकि वे भाकृअनुप मुख्यालय नई दिल्ली में एएफएओ के रूप में कार्यभार ग्रहण सकें।

एमएसीपी

- श्री अजित के.एस., अ श्रे लि को 21.07.2024 से एमएसीपी प्रदान की गई

सेवानिवृत्ति

- श्री राधाकृष्णन नायर वी., वैज्ञानिक, केमाप्रोसं कोचिन 31.07.2024 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री अविनाश एन. अगवाने, स प्र अ, भाकृअनुप-केमाप्रौसं के मुंबई अनुसंधान केन्द्र 30.08.2024 को सेवानिवृत्त हुए।

मुख्य संपादक	:	डॉ. निकिता गोपाल, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार, सूचना एवं सांख्यिकी प्रभाग
संपादकीय समिति	:	डॉ. वी. चंद्रशेखर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. कुसुनर अहमद बाशा, वैज्ञानिक, डॉ. रेजुला के, वैज्ञानिक, डॉ. देवानंद उचोई, वैज्ञानिक, डॉ. रेहाना राज, वैज्ञानिक, श्री महेश बी. खुबडीकर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, श्रीमती श्रुति पी., वरिष्ठ तकनीकी सहायक
संकलन	:	श्रीमती श्रुति पी., वरिष्ठ तकनीकी सहायक
फोटोग्राफी	:	श्री. सिबाशीष गुहा, मुख्य तकनीकी अधिकारी
राजभाषा	:	डॉ.पी.शंकर, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
डिजाइन	:	श्री. विजित शाजी, यंग प्रोफेशनल - I
द्वारा प्रकाशित	:	निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, मत्स्यपुरी पी.ओ., कोच्चि-682029, केरल, फोन: (0484) 2412300, ई.मेल: ciftdirector@gmail.com, director.cift@icar.gov.in